Question 4609 given in the Rajya Sabha on the 22nd August, 1993 and state:

(a) whether it is a fact that type-II Government Quarters of Mandir Marg, New Delhi are not being maintained properly and are in a dilapidated condition;

(b) whether it is also a fact that notice have been issued to the allottees of the area wherein the quarters have been declated dangerous;

(c) if so, what are the facts in this regard and Government's reaction thereto;

(d) whether Government are aware of the fact that the water tanks being installed for each quarter, separately are of very poor quality and do not correspond with the sample selected at the time of purchase of the same; and

(e) if so, what action is being taken against *the guilty officials and whether Government* propose to enhance the capacity of these water tanks from 265 liters to 500 liters?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI P. K. THUNGON): (a) No, Sir, The quarters are being maintained properly. These are not in a dilapidated condition except for water tanks and their supporting RCC structures in some blocks.

(b) Yes, Sir.

(c) It is a fact that 24 blocks have been declared dangerous by the CPWD and intimated to the Directorate of Estates. The allottees are to be offered temporary accommodation in the adjoining area. After repair works are carried out, they would be shifted back to their originally allotted quarters. This would not be considered a change.

The tenders for the work of repairing/ rehabilitating the deteriorated columns have been received and the work will be taken up as and when the quarters are vacated. In the meanwhile the work of providing individuals roof tanks (in place of common RCC Overhead Tanks) is already in progress.

(d) No, Sir. The tanks are of acceptable quality and as per the sampel approved by the Engineer-in-Charge.

(e) In view of reply to part (d) above. The question of taking action against anyone does not arise. There is no proposal to provide 500 litres capacity water tanks on the terraces.

Poor Quality of Work Done by Contractors Engaged by CPWD

4354. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that the repair work carried out by contractors engaged by CPWD particularly for CPWD complex, Vasant Vihar are of Very Poor Quality;

(b) if so, the details thereof and the reasons for not checking and inspecting their work; and

(c) the reasons for not undertaking repair work through the staff of CPWD in the Capital?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI P. K. THUNGON): (a) and (b) The repair work carried out by the Contractors engaged by the CPWD for Vasant Vihar complex is quite satisifactory and not of substandard nature.

(c) Day-to-Day maintenance and repair works are carried out by the CPWD through departmental workers wherever such staff is available.

रोहिणी में सड़कों का अनुपयुक्त निर्माण

4355. **मौलाना औबैदुल्ला खान आजमी:** क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरस्वती विहार चौक से विश्राम चौक, मधुबन चौक सेक्टर-7, 9 और 6 तथा अवन्तिका से रोहिणी में सेक्टर-5 और 6 को जाने वाली सड़कों का केवल आधी-चौड़ाई वार निर्माण किया गया है और इन सड़कों की दोनों ओर लगभग आधे भाग को बगैर-निर्माण के छोड़ दिया गया है;

(ख) यदि हां, तो इन सड़कों की चौड़ाई कितनी है और उस सड़क की चौड़ाई कितनी है जिस पर पक्की सड़क बनायी गयी है और उन सड़कों की चौड़ाई कितनी-कितनी है जिसे सड़कों के दोनों तरफ बगैर निर्माण किये खाली छोड़ दिया गया है;

(ग) उसके क्या कारण हैं और किस अधिकारी ने इस तरह का अविवेकपूर्ण निर्णय लिया है;

(घ) क्या यह सच है कि वर्षा ऋतु के दौरान; जैसा कि वर्तमान मानसून के दौरान होता रहा है, कीचड़/गंदला

पानी समूची सड़क पर फैलता रहा है जिससे आने-जाने वाले लोगों और यातायात हेतु इसका इस्तेमाल असम्भव खतरनाक हो जाता है;

(ड़) क्या दिल्ली विकास प्राधिकरण सड़कों का मौके पर जाकर अध्ययन करने का विचार रखता है अथवा क्या प्राधिकरण ने विगत में ऐसा कोई सर्वेक्षण किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) इन सभी मार्गों पर इनकी पूरी चौड़ाई में पक्की सड़कों का निर्माण करने के लिये दिल्ली विकास प्राधिकरण क्या कार्यवाही करने का विचार रखता है?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. के. थुंगन): (क) 130 मीटर तथा मार्गाधिकार से अधिक सड़कें, जैसे-सरस्वती विहार से विश्राम चौक (30 मीटर), मधुबन चौक से सेक्टर 7, 6 और 9 (45 मीटर) और अवन्तिका से सेक्टर-5 की ओर जाने वाली सड़क मई, 1993 से भावी सुधार/रखरखाव के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग को सौंप दी गयी थी। सुपुर्दगी के समय इन सड़कों के गमन मार्ग दिल्ली नगर निगम के मानकों के अनुसार बनाए गए थे। सड़क नं. 42-ए सरस्वती विहार चौक से विश्राम चौक और सेक्टर-5 तक जाती है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग ने बताया है कि इस सड़क के दाहिनी ओर के गमन मार्ग में दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सीवर/पानी की नालियां बिछायी हैं, जिनके लिए सड़क का पुनर्निर्माण डी० डी० ए० द्वारा किया जा रहा है। जहां तक बायीं ओर के गमन मार्ग की बात है, यह सड़क सीवर लाइन में धंस जाने के कारण कई जगहों से टूट-फूट गयी है। सड़क पर आने-जाने वालों की तत्काल सुविधा हेतु लोक निर्माण विभाग ने रोड़ी डाल दी है ताकि आने-जाने में कम से कम परेशानी हो। विश्राम चौक में दिल्ली नगर निगम के दिल्ली जल प्रदाय तथा मल व्ययन संस्थान और दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा निर्माण कार्य जारी है जिसके कारण दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा सड़क नं. ए-3 का बायां गमन-मार्ग यातायात के लिए नहीं खोला गया है।

विश्राम चौक से मधुबन और नांगलोई नाले तक जाने वाली सड़क सं. 41-ए पर लोक निर्माण विभाग ने $1\frac{1}{2}$ किलोमीटर इसी पर 5 मीटर चौड़ी पट्टी बनायी है ताकि यातायात बिना किसी कठिनाई के चलता रहे। पटरी-नालियां और बीच की पटरियों सहित सड़कों का व्यापक सुधार कार्य प्रगति पर है।

लोक निर्माण विभाग ने बताया है कि सड़क नं. ए-5 (4 लेन) दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा पूरी कर ली गयी है। सड़क नं. ए-3 (4 लेन) लगभग डेढ़ सौ मीटर दूरी को छोड़कर, जहां दिल्ली विकास प्राधिकरण ने हाल ही में दुबारा सीवर लाइन बिछायी है, पूरी कर ली गयी है। विश्राम चौक से आने वाले बायीं ओर के मार्ग पर 90 मी० लम्बी सड़क नं० ए-4 (4 लेन) की दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा मरम्मत की जानी है तथा राजीव गांधी कैंसर संस्थान के निकट दिल्ली जल प्रदाय तथा मल व्ययन संस्थान द्वारा जल आपूर्ति लाइन बिछाने के कारण लगभग 350 मीटर लम्बी सड़क का पुनर्निर्माण किया गया। सड़क नं०; 42-ए के बायीं ओर के मार्ग पर यथा आवश्यक मरम्मत कार्य किया जा रहा है। सड़क नं० 41-ए के बायीं ओर के मार्ग का छः मीटर शेष भाग का सुधार कार्य प्रगति पर है। आर० डी० 250 से 3995 तक के दाहिनी ओर के मार्ग के निर्माण कार्य पहले ही दिया जा चुका है।

(ग) सड़कों का निर्माण/विकास कार्य चरणबद्ध रूप से किया जाता है। अतः इन सड़कों का विकास न करने के लिए असंगत निर्णय लेने का प्रश्न ही नहीं है।

(घ) लोक निर्माण विभाग ने बताया है कि मुख्य मार्ग पर जहां-जहां पानी रुकता है पानी को बाहर निकालने के प्रयास किए जाते हैं।

(ङ) और (च) प्रश्न ही नहीं उठता क्योंकि इन सड़कों को दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा भावी सुधार/रख-रखाव हेतु मई, 1993 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार को सौंप दिया गया है ।

Lack of Basic Amenities in Rohini

4356. MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether DDA, which has developed Rohini as one of its most prestigious projects has failed to provide basic amenities like good roads, drainage system, parks, road lights, water supply and other such important civic facilities; and

(b) if so, what steps Government have taken to improve the civic facilities there?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEVELOPMENT (SHRI P. K. THUNGON): (a) and (b) The DDA has reported that basic amenities like good roads, drainage system, parks and water supply have all been provided in Rohini and are being maintained properly. The roads were dug up for restoration of settled sewer at six places and for laying of